Date 26/04/23 Name - Ayat Mustafa Roll - 01

Class - VI Sec - 'E'

Sub - Hindi Handwritting

चूमक रहा उत्तुंग हिमालय, यह नगराज हमारी ही है।
जोड़ नहीं धरती पर जिसका, वह नगराज हमारी ही है
नदी हमारी ही है गंगा, प्लावित करती मधुरस-धारा।
बहती है क्या कहीं और भी ऐसी पावन कल-कल धारा
सम्मानित जो सकल विश्व में, महिमा जिनकी बहुत रही है,
अमर ग्रंथ वे सभी हमारे, उपनिषदों का देश यही है
गाएँगे यश हम सब इसका, यह है स्वर्णिम देश हमारा।
आगे कौन जगत में इससे, यह है भारत देश हमारा।

यह है देश हमारा भारत, महारथीगण हुए जहाँ पर,
यह है देश मही का स्वर्णिम, ऋषियों ने तप किए जहाँ पर
यह है देश जहाँ नारद के, गूँजे मधुमय गान कभी थे,
यह है देश जहाँ पर बनते, सर्वोत्तम सामान सभी थे।
यह है देश हमारा भारत, पूर्ण-ज्ञान का शुभ्र निकेतन।
यह है देश जहाँ पर बरसी, बुद्धदेव की करुणा चेतन।
है महान, अति भव्य पुरातन, गूँजेगा यह गान हमारा
है क्या हम-सा कोई जग में, यह है भारत देश हमारा

लेखक — सुब्रह्मण्यम भारती